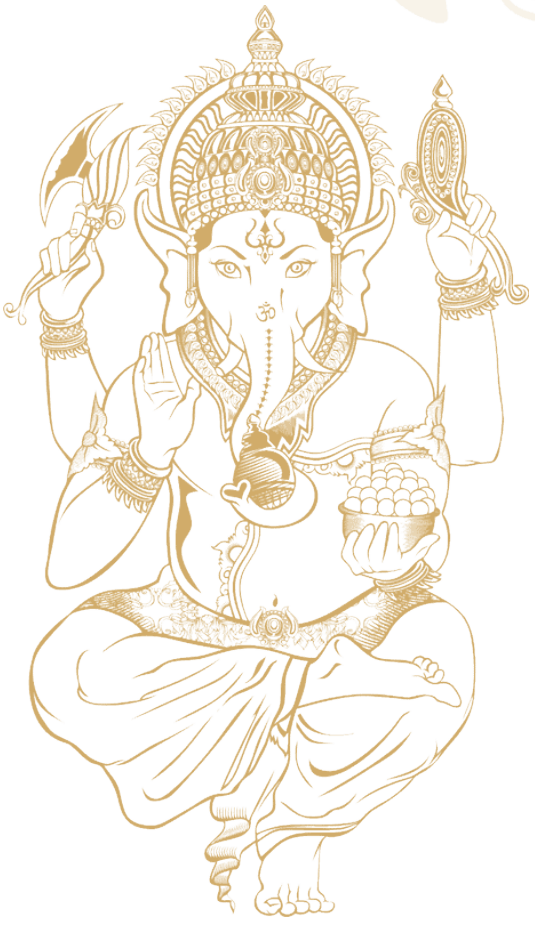

Mr.Saket jain

Ms.Apoorva jain

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119446103

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
31/07/2000	जन्म तिथि	30/03/2000
सोमवार	दिन	गुरुवार
घंटे 17:45:00	जन्म समय	08:10:00 घंटे
घटी 30:11:31	जन्म समय(घटी)	05:13:10 घटी
India	देश	India
Jabalpur	स्थान	Gwalior
23:10:00 उत्तर	अक्षांश	26:12:00 उत्तर
79:57:00 पूर्व	रेखांश	78:09:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:10:12	स्थानिक संस्कार	-00:17:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:40:23	सूर्योदय	06:10:50
18:52:19	सूर्यास्त	18:33:14
23:51:40	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:22

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
बुध 12वर्ष 1मा 13दि	27:42:51	धनु	लग्न	मेष	23:09:45	सूर्य 0वर्ष 7मा 1दि
शुक्र	14:43:22	कर्क	सूर्य	मीन	15:50:45	राहु
14/09/2019	20:29:34	कर्क	चंद्र	मक	08:41:32	31/10/2017
14/09/2039	05:47:07	कर्क	मंगल	मेष	11:18:30	01/11/2035
शुक्र 14/01/2023	25:41:22	मिथु	बुध	कुंभ	18:05:58	राहु 13/07/2020
सूर्य 14/01/2024	12:00:14	वृष	गुरु	मेष	14:53:40	गुरु 07/12/2022
चन्द्र 14/09/2025	28:29:19	कर्क	शुक्र	कुंभ	26:40:53	शनि 13/10/2025
मंगल 14/11/2026	05:31:24	वृष	शनि	मेष	21:25:46	बुध 01/05/2028
राहु 14/11/2029	00:45:40	कर्क व	राहु व	कर्क	07:24:14	केतु 20/05/2029
गुरु 15/07/2032	00:45:40	मक व	केतु व	मक	07:24:14	शुक्र 19/05/2032
शनि 14/09/2035	25:24:33	मक व	हर्ष	मक	25:43:26	सूर्य 13/04/2033
बुध 15/07/2038	11:13:15	मक व	नेप	मक	12:17:51	चन्द्र 13/10/2034
केतु 14/09/2039	16:24:07	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	18:59:10	मंगल 01/11/2035

लग्न-चलित

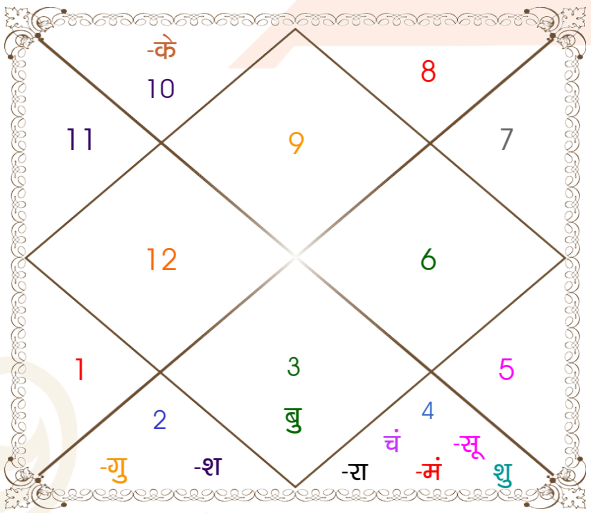

लग्न-चलित

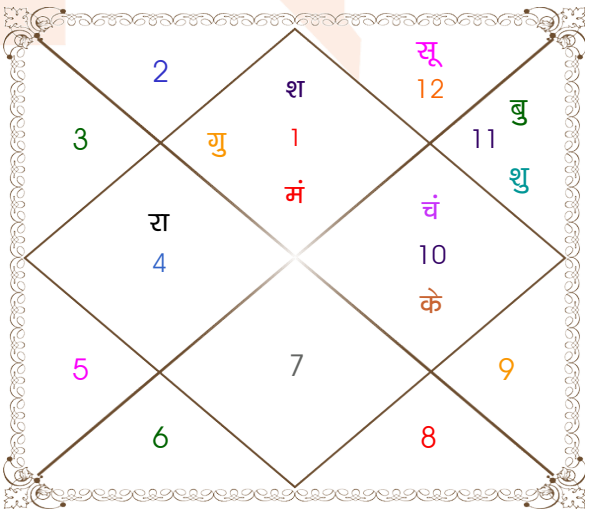

Pulak Sagarm - Hastrekha,Jyotish & Vastu
T - 13,Cosmo Tower,hanuman Chauraha
Jankganj, Gwalior pin code 474001

9425187186,9302614644
Astrodr.hcjain @gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मार्जार	नकुल	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	शनि	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	कर्क	मकर	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	13.00		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

Mr.Saket jain का वर्ग श्वान है तथा Ms.Apoorva jain का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.Saket jain और Ms.Apoorva jain का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.Saket jain मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr.Saket jain कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु Mr.Saket jain कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms.Apoorva jain मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms.Apoorva jain कि कुण्डली में प्रथम भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Ms.Apoorva jain कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Mr.Saket jain कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.Saket jain तथा Ms.Apoorva jain में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।